सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
# स्वराज इंडिया
कानपुर, शनिवार, 22 नवंबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 311, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड शहजादपुर गांव की सेफ्रान सिटी पर चलेगा बुलडोजर... » Pg03

दंगल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, कौशल और संघर्ष का प्रतीक » Pg12

## धार्मिक शहरों में हुए भूमि सौदों की होगी जांच

# भू-माफियाओं के सिंडिकेट का किया जाएगा खुलासा

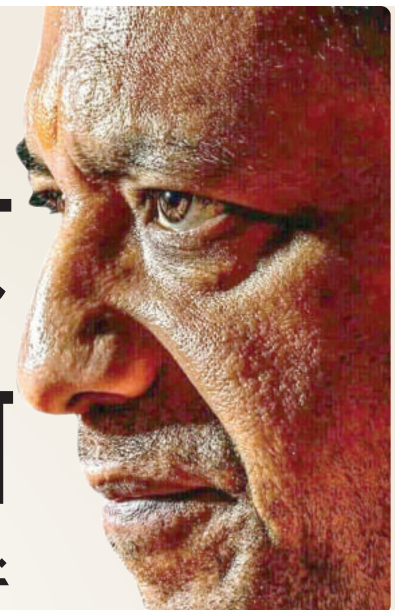

### अयोध्या, वाराणसी, मथुरा सहित कई जिलों में हुई रजिस्ट्रियों पर सरकार की निगाह, एआई टूल्स की भी ली जाएगी मदद!

## चोरी पकड़ी गई तो लगेगा जुर्माना

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। यूपी के धार्मिक खासकर अयोध्या, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और चित्रकूट के साथ बड़े शहरों में पिछले कुछ सालों में हुई रजिस्ट्री की स्क्रूटनी यानी जांच कराई जाएगी। इसमें देखा जाएगा कि कुल कितनी संपत्तियां खरीदी गईं और इन्हें लेने वालों ने स्टांप और रजिस्ट्री शुल्क कितना जमा किया। यह भी पता लगाया जाएगा कि डीएम सर्किल रेट के आधार पर रजिस्ट्री की जानकारी दी गई है या फिर इसमें किसी तरह का खेल करते हुए राजस्व की चोरी की गई है। हर जिले से पूरी जानकारी मांगी गई है और देखा जा रहा है कि कहीं कोई खेल तो नहीं हुआ है। किसी भूमाफिया द्वारा की गई चोरी मिली तो जुर्माना होगा। सूत्रों का कहना है कि संपत्तियों की जांच में एआई का भी सहारा लिया जा रहा है।

### हाल में ही हुई जमीन की ज्यादा खरीद से विभाग हुआ सतर्क

उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था बेहतर होने के बाद धार्मिक और पर्यटन वाले शहरों में देश-विदेश के लोगों के आने वालों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। इससे होटल, होम स्टे के साथ ही अन्य कारोबार करने वालों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे शहरों में उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के अन्य राज्यों से भी लोगों ने आकर जमीन खरीदी है। इसीलिए स्टांप विभाग द्वारा रजिस्ट्री की जांच प्रक्रिया में बदलाव किया है। पहले जहां

**» योगी सरकार ने सभी तरह की रजिस्ट्री की जांच का फैसला किया।**

चार साल में इसकी जांच होती थी, वहीं अब इसे तीन माह में ही करने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के ऐसे शहरों से पूरी रिपोर्ट मांगी गई है। इसमें उनसे पूछा गया है कि उनके जिले में पिछले कुछ सालों में संपत्तियों की कितनी रजिस्ट्रियां हुई हैं। इससे कितने स्टांप शुल्क की बिक्री हुई और पंजीकरण शुल्क कितना मिला।

स्टांप तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रवींद्र जायसवाल के अनुसार धार्मिक और पर्यटन के लिए मशहूर बड़े शहर ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में संपत्तियों की होने वाली रजिस्ट्री की जांच कराई जा रही है। दरअसल, यह देखा जा रहा है कि संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए सर्किल रेट के आधार पर स्टांप और शुल्क दिया गया है या नहीं। इसका मकसद किसी को परेशान करने की नहीं है, इससे गड़बड़ी करने वाले भूमाफिया हों चाहे विभागीय अधिकारी या फिर कोई अन्य हो उस पर लगाम कसी जा सकेगी।

### अधिकारी की मिलीभगत के खिलाफ होगा एक्शन

जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि डीएम सर्किल रेट के आधार पर राजस्व मिला है या नहीं। बड़ी संपत्तियों की रजिस्ट्री वाले स्थलों का मौका मुआयना भी कराया जाएगा और रजिस्ट्री के दौरान लगाए गए स्टांप व शुल्क राशि का मिलान कराया जाएगा। इस देखा जाएगा कि इसमें चोरी तो नहीं की गई है। चोरी की पुष्टि होने पर संपत्ति की रजिस्ट्री कराने वाले से शेष राशि की वसूली के नोटिस दी जाएगी। इसके साथ यह भी देखा जाएगा कि इसमें विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत तो नहीं है। इसकी पुष्टि होने पर संबंधित विभागी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

---

## बड़ी कामयाबी

## दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में गैंगस्टरों तक पहुंचाते थे असलाह

# आईएसआई से जुड़े हथियार तस्कर गैंग से मिलीं तुर्की-चीन की 10 पिस्तौलें जब्त

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में चार मुख्य आरोपियों अजय, मंदीप सिंह, दलविंदर सिंह और रोहन को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत लाए जा रहे तुर्की और चीनी मूल के हाई-टेक हथियारों को दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में सक्रिय बड़े गैंगस्टरों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे।

### ड्रोन से पंजाब बॉर्डर पर ड्रॉप

पुलिस जांच में पता चला है कि हथियार सबसे पहले पाकिस्तान भेजे जाते थे, वहां से ड्रोन के माध्यम से पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में गिराए जाते थे। इसके बाद स्थानीय संपर्कों की मदद से इन्हें सुरक्षित जगहों पर छिपाया जाता और फिर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में सप्लाई किया जाता था।

कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 10 विदेशी पिस्तौलें (तुर्की और चीन निर्मित) और 92 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। ये हथियार बेहद महंगे और उन्नत तकनीक वाले हैं, जिनकी कीमत बाजार में लाखों रुपये तक होती है।

### लॉरेंस बिश्नोई, बमबीहा और हिमांशु गैंग को थी अगली खेप

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि जब्त हथियारों की यह खेप लॉरेंस बिश्नोई गैंग, बमबीहा ग्रुप, गोगी गैंग और हिमांशु भाऊ गैंग के गुर्गों को दी जानी थी। ये सभी गैंग दिल्ली-एनसीआर में बड़े-बड़े अपराधों को अंजाम देने के लिए लगातार नए और घातक हथियारों की तलाश में रहते हैं। दिल्ली पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितनी खेपें भारत में पहुंचाई हैं और कितने हथियार विभिन्न गैंग्स तक जा चुके हैं। आरोपियों के मोबाइल फोन, बैंक खातों, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल सबूतों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश तेज कर दी गई है। इस सफलता से दिल्ली-एनसीआर में गैंगवार और संगठित अपराध पर लगाम लगाने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

मनदीप

रोहन

दलविंदर

अजय (मोनू)

बरामद हथियार

# तीन साल से चक्कर काट रहे फरियादी का एक घंटे में समाधान

## डीएम जनता दर्शन में एक घंटे में मिला समाधान, जिलाधिकारी के निर्देश पर उपलब्ध हुआ मानचित्र

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। सकरापुर निवासी मनोज कुमार निगम की तीन वर्षों की जद्दोजहद आखिरकार खत्म हो गई। अपनी ही जमीन के प्रमाणित मानचित्र के लिए रिकॉर्ड रूम से लेकर तहसील और प्राधिकरण तक लगातार चक्कर लगाने के बावजूद जब समाधान नहीं मिला, तो उन्होंने शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दर्शन में अपनी समस्या रखी।**

सुबह करीब 9 :30 बजे जनता दर्शन में पहुँचे मनोज पहले फरियादी थे। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि गाटा संख्या 33, 46 और 117 पर बढ़ते अतिक्रमण और प्लॉटिंग के कारण लगातार विवाद की स्थिति बनी रहती है। 13 मई 2022 को दाखिल किए गए चारबन्दी वाद की प्रगति प्रमाणित मानचित्र के अभाव में पूरी तरह ठप हो गई थी।

जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दलजीत को शिकायतकर्ता के साथ रिकॉर्ड रूम भेजा और निर्देश दिया कि संबंधित मानचित्र को तुरंत उपलब्ध कराया जाए।

आदेश के बाद महज एक घंटे के भीतर वह दस्तावेज खोजकर जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया, जिसके लिए शिकायतकर्ता तीन साल से भटक रहे थे। दस्तावेज हाथ में मिलते ही मनोज कुमार निगम भावुक हो गए। बाहर निकलते समय उन्होंने कहा कि तीन साल का संघर्ष आज एक घंटे में खत्म हो गया।

कलेक्ट्रेट में लगेगा बड़ा डिस्प्ले बोर्ड, विभागीय कार्यों की मिलेगी स्पष्ट जानकारीजनता की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने सभी अपर जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभागों में पटल प्रभारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें, ताकि प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो सके। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में एक बड़ा डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बोर्ड पर प्रत्येक शाखा में होने वाले कार्यों की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होगी, जिससे कार्यालय आने वाले नागरिकों को यह जानकारी आसानी से मिल सके कि उनका कार्य किस कक्ष या पटल में होता है।इस व्यवस्था से अनावश्यक चक्कर खत्म होंगे, पारदर्शिता बढ़ेगी और आम नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।

# कानपुर की आबोहवा में घुला 'जहर'

## एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में पहुंचा

**» नेहरू नगर में एक्यूआई 213, किदवई नगर और कल्याणपुर में भी हवा असुरक्षित रिकार्ड की गई**

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सर्दी बढ़ने के साथ कानपुर की हवा एक बार फिर खराब होती जा रही है। नवंबर की शुरुआत में मिली हल्की राहत अब पूरी तरह खत्म होती दिख रही है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है और तीनों सक्रिय मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पाई गई है।

मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़ों के अनुसार, नेहरू नगर में एक्यूआई 213 रिकॉर्ड किया गया, जो सीधे तौर पर खराब श्रेणी में शामिल है। यहां पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों ही प्रदूषक सुरक्षित सीमा से काफी ऊपर दर्ज किए गए।

> ठंड बढ़ने, हवा की रफ्तार कम होने, वाहनों के धुएं और सड़क पर उड़ती धूल जैसे स्थानीय कारकों के कारण प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे हालात में शहरवासियों को सुबह-शाम बाहर निकलते समय सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।
>
> अजीत कुमार सुमन, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी

एफटीआई किदवई नगर में एक्यूआई 190 रहा, जो खराब श्रेणी की सीमा पर है, जबकि एनएसआई कल्याणपुर में एक्यूआई 163 दर्ज किया गया, जो हवा की गुणवत्ता खराब होने की पुष्टि करता है। इस माह की शुरुआत में कई दिनों तक पीएम 2.5 का स्तर लगातार 200 से ऊपर बना रहा। 8, 12 और 13 नवंबर को वायु गुणवत्ता 'ऑरेंज' श्रेणी तक पहुंच गई थी। 18 नवंबर को थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन यह सुधार ज्यादा समय तक टिक नहीं पाया।

# शहजादपुर गांव की सेफ्रान सिटी पर चलेगा बुलडोजर, नोटिस जारी

## स्वराज इंडिया की खबर का बड़ा असर

» केडीए क्षेत्र के अधीन माती अकबरपुर में बिना लेआउट हो रही प्लाटिंग पर चल रहा सर्वे

» दर्जन भर से अधिक प्लाटिंग पर होगी जल्द कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण के अधीन माती-अकबरपुर कानपुर देहात में दनादन हो रही अवैध प्लाटिंग को लेकर अधिकारियों ने कार्रवाई के लिए कार्ययोजना तैयार की है। केडीए इनपुट के मुताबिक माती क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक बड़ी बड़ी प्लाटिंग साइडस चिन्हित की गई हैं जो कि बडे कृषि क्षेत्र की जमीन को घेरकर आवासीय क्षेत्र बनाकर बिक्री की जा रही है। इसमें लेआउट और नक्शे स्वीकृत नहीं कराए गए हैं।

बारा जोड के पास हाइवे किनारे शहजादपुर गांव के निकट सेफान सिटी नाम से कई बीघे में प्लाटिंग की जा ही है। इसका कोई लेआउट स्वीकृत नहीं करवाया गया है, बताया गया है कि इसमें एक ट्रस्ट की जमीन भी शामिल है।

इसपर केडीए ने नोटिस जारी किया है। जवाब नहीं मिलने पर बुलडोजर की कार्रवाई होगी।

इसी तरह से बारा जोड और झांसी हाइवे की ओर भी कई अवैध प्लाटिंग एरिया को भी चिन्हित किया गया है। इनको भी नोटिस भेजे जा रहे हैं। जोनल अधिकारी संदीप मोदनवाल ने बताया कि अवैध प्लाटिंग को लेकर कार्रवाई लगातार की जा रही है। बीते 3 नवंबर 2025 को ग्राम बारा की आराजी संख्या 924, 929, 931 और ब्राइट एंजल स्कूल के पीछे की अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी अन्य पुरानी नोटिस और अन्य रिपोर्ट के आधार पर भी कार्रवाई की जाएगी।

केडीए सचिव अभय पांडेय ने बताया कि माती क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग को लेकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

स्वराज इंडिया

माती महायोजना का सपना चकनाचूर, धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग!

एक्सक्लूसिव

# आईआईटी कानपुर से दो कश्मीरी पीएचडी छात्र लापता

## कॉलेज-प्रशासन किसी को भनक तक नहीं, अलर्ट पर एजेंसी

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली आतंकवादी हमले के बाद एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। कानपुर आईआईटी से पीएचडी कर रहे कश्मीरी मूल के दो छात्र लंबे समय से लापता है। इसकी भनक जब खुफिया एजेंसी और पुलिस को हुई तो एजेंसियां हरकत में आ गईं। दोनों की लोकेशन की तलाश चल रही है। आईआईटी के निदेशक मणिंद्र अग्रवाल ने ऐसी जानकारी से इनकार किया है।

दिल्ली में 10 नवंबर को शाम करीब 6.50 बजे कार ब्लास्ट हुआ, जिसमें कई बेकसूर लोगों की जान चली गई। दिल्ली हमले की आरोपी जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पूर्व में तैनात रही डॉ. शाहीन पहले अरेस्ट की जा चुकी है। इसके बाद जांच एजेंसियां कार्डियोलॉजी से डॉक्टर मो. आरिफ को पहले ही ले जा चुकी हैं। जांच एजेंसियां इन दोनों के करीबियों की तलाश कर रही हैं। शहर के कई इलाके जांच के दायरे में हैं। दोनों शहर में कुछ बड़ा करने की साजिश रच रहे थे। यहां से भी आतंकियों के लिए फंडिंग और गाड़ियों का इंतजाम किया जा रहा था।

**दिल्ली अटैक**

### आतंकी हमले के बाद से लापता छात्र

जांच के दौरान कश्मीरी मूल के नागरिक और छात्र भी जांच के दायरे में आए थे। इसी आधार पर पिछले दिनों शहर में पढ़ रहे कश्मीरी मूल के छात्र छात्राओं का ब्यौरा मांगा गया था। अब नई जानकारी आईआईटी से सामने आई है। कश्मीरी मूल के दो पीएचडी छात्र लापता हैं।

जानकारी के मुताबिक एक छात्र 18 अक्टूबर से लापता है, जबकि दूसरा छात्र बीते 10 नवंबर से लापता है। दोनों लापता छात्र इस समय कहां हैं, एजेंसियां इसकी जानकारी जुटा रही हैं।

### जांच में जुटी एजेंसियां

दो पीएचडी छात्रों के लापता होने का इनपुट मिलने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां भी जांच पड़ताल में लगी हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों ने शोध पूरी करने के बाद अपनी थीसिस जमा कर दी है। इसके बाद से वह आईआईटी के संपर्क में नहीं हैं, लेकिन दोनों छात्र कहां हैं, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। एजेंसियां पूरे मामले की जांच ने जुटी हैं।

# डीएम ने नो बैग डे की शुरुआत कर बच्चों से की सीधी बातचीत

## स्कूल के परिवेश पर रीझे जिलाधिकारी, की खूब तारीफ, डिजिटल शिक्षा पर दिया जोर

### बिल्हौर में नई पहल

**» आधा घंटा तक रुके जिलाधिकारी ने बच्चों से किया फ्रेंडली संवाद।**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। शिक्षा के माहौल को रोचक और तनाव मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को बिल्हौर के उच्च प्राथमिक विद्यालय नासिरापुर में बेसिक शिक्षा विभाग के नो बैग डे कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी केवल औपचारिकताओं तक सीमित न रहते हुए सीधे बच्चों से मुखातिब हुए और उनसे सवाल-जवाब किए। बच्चों ने भी पूरी बेबाकी और आत्मविश्वास के साथ उनके प्रश्नों का उत्तर दिया, जिसने वहां मौजूद सभी अधिकारियों को प्रभावित किया। बच्चों ने सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट के तहत बनाई गई पतंग के साथ साथ स्कूल के परिवेश, अनुशासन की डीएम ने बहुत प्रशंसा की। करीब आधा घंटा तक रुके डीएम ने आखिर में बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

जिलाधिकारी ने बच्चों के आत्मविश्वास और उनकी शैक्षिक भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि नो बैग डे बच्चों को पाठ्येतर गतिविधियों और रचनात्मक शिक्षा से जोड़कर उनके समग्र विकास में सहायक होगा।

विद्यालय के हेड टीचर पंकज कटियार ने डीएम को स्कूल में हो रहे डिजिटलीकरण के प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विद्यालय कैसे बच्चों को डिजिटली साक्षर बनाने और आधुनिक शिक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए लगातार कोशिशें कर रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह, बीईओ रवी कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

### लिंग भेद पर प्रस्तुत नाटक को खूब सराहा गया

बालक-बालिकाओं की शिक्षा में भेद किए जाने और उनका जल्दी विवाह कर दिए जाने की समस्या पर स्कूल की छात्राओं ने एक शानदार नाटक प्रस्तुत किया। जिसकी डीएम ने बहुत प्रशंसा की। वहीं छात्रा अर्पिता द्वारा लीड करके टीम द्वारा प्रस्तुत किए गए सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने पर खूब सराहा गया।

### जब छात्रा वैष्णवी ने डीएम से पूछा सवाल!

कक्षा आठ की छात्रा वैष्णवी ने जब डीएम से एक प्रश्न पूछने की अनुमति मांगी तो पहले तो माहौल में सन्नाटा छा गया। लेकिन जब उसने डीम से पूछा कि उन्हें विद्यालय में आकर कैसा लगा तो डीएम बोले बहुत ही अच्छा लगा। तुम्हारे शिक्षकों ने तुम्हें बहुत अच्छे से शिक्षित किया है। स्कूल में बहुत मेहनत की गई है। डीएम ने मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान रामेंद्र कटियार की भी तारीफ की।

कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल की प्रतिभाशाली छात्राओं ने अपने हाथों से बनाया गया (हैंड मेड) बुके प्रदान करके जिलाधिकारी का जोरदार और आत्मीय स्वागत किया।

डीएम की यह पहल कानपुर के प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में रचनात्मकता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

### डीएम के सामने रखा गया गणित- विज्ञान टीचर की कमी का मुद्दा

स्कूल की शिक्षिका अपूर्वा भारती ने विद्यालय में गणित विज्ञान शिक्षक की कमी का मुद्दा डीएम के सामने रखा। जिस पर डीएम ने बीएसए से कहा कि इतने अच्छे स्कूल की यह समस्या बहुत बड़ी है। जिसकी कमी आप अपने स्तर से हर हाल में पूरी कराएं।

### सुबह से अलर्ट मोड में रहे बिल्हौर के अफसर

डीएम के आने की सूचना पहले से मिल जाने के कारण अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी सुबह से अलर्ट मोड में रहे। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ द्वारा बनाए गए बूथों पर भी भीड़ लगी रही। जी टी रोड पर यातायात को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

# फील्ड में उतरे एसडीएम, गांवों में मतदाता सूची सुधार का व्यापक अभियान चलाया

## चौपाल में सुनीं समस्याएं-कर्मियों को चेतावनी, समय पर काम पूरा करने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। विशेष प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को रफ्तार देने के लिए उप जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर शनिवार को पूरे दिन फील्ड मोड में नजर आए। उन्होंने सिहुरादारा शिकोह, ककवन, रौगांव और मकनपुर समेत कई गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने नए नाम जुड़वाने, पते में संशोधन, मृतकों के नाम हटाने, ऑनलाइन फॉर्म की दिक्कतों और बीएलओ की उपलब्धता को लेकर अपनी समस्याएं रखीं।

एसडीएम ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों को लंबित मामलों की तुरंत निस्तारण रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने गांव में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत सहायकों, ग्राम प्रधानों और संबंधित कर्मियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फील्ड पर संपर्क और सत्यापन कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम संजीव दीक्षित ने कहा कि मतदाता सूची अद्यतन लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है। किसी भी व्यक्ति का नाम छूटना बड़ी चूक है। अभियान को प्राथमिकता दें और सुनिश्चित करें कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज हो।

गांवों में हुए इस औचक निरीक्षण और संवादात्मक चौपाल से ग्रामीणों में उत्साह दिखा। इस दौरान नायब तहसीलदार चंद्रप्रकाश राजपूत तहसील के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

# पंद्रह दिन से दहशत फैलाने वाला लक्खू बंदर गिरफ्तार

## आधे महीने से फैला था आतंक, अब गांव ने ली राहत की सांस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। लक्ष्मणपुर मिश्रान गांव में पिछले पंद्रह दिनों से आतंक मचा रहे उपद्रवी लक्खू बंदर को आखिरकार शुक्रवार को वन विभाग व प्रशासन की संयुक्त टीम ने पकड़कर ग्रामीणों को बड़ी राहत दी। लगातार हमलों से दहशत का ऐसा आलम था कि कई घरों के बच्चे बाहर निकलना बंद कर चुके थे और ग्रामीण चौकन्ने होकर काम पर जा रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक बंदर अब तक 10ङ्क12 लोगों को घायल कर चुका था। गांव में उसकी बढ़ती आक्रामकता को देखते हुए वन विभाग ने तीन दिन पहले विशेष सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। टीम रोजाना गांव के चारों ओर, खेतों-बागों और पेड़ों पर उसकी हलचल पर नजर रख रही थी। कई बार वह जाल में फँसते-फँसते बच निकला। लेकिन शनिवार को सटीक सूचना मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे काबू में कर लिया।

पकड़ने वाली टीम में क्षेत्रीय वन अधिकारी विजय कुमार श्रीवास्तव, वन दरोगा प्रदीप यादव, तथा वनकर्मी आशीष और अरविंद शामिल रहे। बंदर को सुरक्षित पकड़ने के बाद वन विभाग ने उसका चिकित्सीय परीक्षण कर उसे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराया है। करीब आधे महीने से फैली दहशत खत्म होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। प्रशासन ने अपील की है कि वन्य जीव से संबंधित किसी भी घटना की तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

**» 10 से ज्यादा ग्रामीणों को कर चुका घायल, डर के कारण बच्चे घरों में कैद रहे**

## सम्पादकीय

# जानलेवा बनता शिक्षकों का संवेदनहीन रवैया

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेज़ी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर जयपुर में नौ वर्षीय छात्रा की मौत के मामले में सीबीएसई की जांच में संस्थागत उदासीनता का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि पिछले 18 महीने से छात्रा अन्य छात्राओं द्वारा परेशान की जा रही थी। जिस दिन छात्रा ने आत्महत्या की, उस दिन वह अपनी सहपाठियों द्वारा लिखी गइ।

अश्लील सामग्री से स्पष्ट रूप से व्यथित होकर 45 मिनट में पांच बार अपनी शिक्षिका के पास शिकायत लेकर गई थी। शिक्षिका ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया और उलटा उसे ही डांटा। निश्चित रूप से शिक्षिका ने छात्रा की देखभाल के अपने कर्तव्य का उल्लंघन किया। कमोबेश वसई की घटना भी शिक्षक की घोर संवेदनहीनता को ही दर्शाती है, जिसने एनीमिया से पीड़ित छात्रा से बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगवाई।

# तमिल राजनीति और केंद्र-राज्य टकराव

पंकज चतुर्वेदी

**राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने के लिए पहले इसी अदालत द्वारा निर्धारित अपनी ही समय-सीमा वापस ज़रूर ले ली, पर असाधारण स्थितियों में राज्यों के लिए अदालत का दरवाज़ा भी खुला रहने दिया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर.. राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने के लिए पहले इसी अदालत द्वारा निर्धारित अपनी ही समय-सीमा वापस ज़रूर ले ली, पर असाधारण स्थितियों में राज्यों के लिए अदालत का दरवाज़ा भी खुला रहने दिया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि न्यायालय कार्यपालिका की शक्तियों का अतिक्रमण नहीं कर सकता।**

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 20 नवंबर को राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने के लिए पहले इसी अदालत द्वारा निर्धारित अपनी ही समय-सीमा वापस ज़रूर ले ली, पर असाधारण स्थितियों में राज्यों के लिए अदालत का दरवाज़ा भी खुला रहने दिया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि न्यायालय कार्यपालिका की शक्तियों का अतिक्रमण नहीं कर सकता।न्यायालय ने यह भी कहा है जब कोई राज्यपाल कानून बनाने की प्रक्रिया में 'लंबी, अस्पष्ट और अनिश्चित' देरी का कारण बने, तब राज्य सरकार अदालत की शरण ले सकती है। इस तरह से अदालत ने केंद्र और राज्यों के बीच एक जटिल राजनीतिक मुद्दे में नाज़ुक संतुलन बनाने की कोशिश की है।, उनकी स्थिति क्या होगी। कुछ संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि वे कानून बन चुके हैं और उनकी अधिसूचना गजट में भी हो चुकी है, इसलिए उन्हें स्वीकृत मान लेना चाहिए।दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। अप्रैल में न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ था, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर था। खासतौर से तमिलनाडु में एमके स्टालिन की डीएमके सरकार भाषा तथा मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट को लेकर केंद्र सरकार के साथ टकराव की मुद्रा में थी। इस मामले को लेकर तमिलनाडु सरकार 2023 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटा चुकी है। गत 15 नवंबर को उन्होंने एक और याचिका दायर की है। इन बातों को अगले छह महीनों में होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका के रूप में भी देखना चाहिए। देश में शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है। इसे लेकर कई तरह के टकराव हैं। पिछले कुछ समय से तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और 'नीट' जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इस साल अप्रैल में, उच्चतम न्यायालय के दो-न्यायाधीशों वाली पीठ ने राज्यपालों के लिए लंबित विधेयकों पर कार्रवाई करने हेतु एक समय-सीमा निर्धारित की थी। अदालत ने पहली बार यह निर्धारित किया था कि राष्ट्रपति राज्यपाल द्वारा विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय करें। यह निर्णय इस बात की स्वीकृति थी कि, हाल के दिनों में, राजभवनों ने विपक्ष शासित राज्यों में राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों में देरी करके एक अवरोधक भूमिका निभाई है।

चूंकि अदालत ने राष्ट्रपति को विलंब के परिणामों पर सख्त समय-सीमा का निर्देश दिया था, इसलिए न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का सवाल उठा।

# एआई से मुकाबले के लिए जरूरी मानवीय क्षमताएं

## रचनात्मक सोच

ज्वाला सिंह दास

**भविष्य में एआई के दौर में असली ताक़त उन लोगों के पास होगी, जिनके पास ये मानवीय गुण होंगे। मसलन, सवाल पूछने की हिम्मत, कठिनाई में टिके रहने का अनुशासन, अपने विचारों को लिखकर स्पष्ट करने की कला, भरोसे से बातचीत करने की क्षमता और दूसरों को प्रेरित करने का नेतृत्व। आज हम ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन, कामकाज और सोचने के तरीके को बदल रही है। एआई आज हर क्षेत्र–शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, उद्योग, मीडिया–में अपनी पैठ बना चुकी है। जहां एक ओर यह तकनीक कार्यक्षमता बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर यह चिंता भी बढ़ा रही है कि भविष्य में क्या मनुष्य के रोजगार छिन जाएंगे।**

यह सवाल बेहद प्रासंगिक है। क्या इंसान एआई से मुकाबला कर पाएगा? जवाब है—हां, बिल्कुल कर सकता है। लेकिन इसके लिए ज़रूरी है कि हम ऐसी क्षमताएं विकसित करें जिनकी बराबरी एआई कभी नहीं कर सके।

एआई तेज़ी से डेटा को प्रोसेस कर सकता है, पैटर्न पहचान सकता है, और जटिल निर्णय भी ले सकता है। लेकिन यह एक सच्चाई है कि एआई में मानवीय भावनाएं, नैतिकता, रचनात्मकता और सहानुभूति नहीं होती। एआई 'सोचता' नहीं, बल्कि 'सीखाए गए पैटर्न' पर काम करता है। यह वही कर सकता है जो उसे सिखाया गया है; नई परिस्थितियों में मानवीय समझ या संवेदनशीलता नहीं दिखा सकता। इसलिए, भविष्य उन्हीं

लोगों का होगा जो अपनी मानवीय क्षमताओं को निखारेंगे और तकनीक को अपना सहयोगी बनाएंगे, प्रतिस्पर्धी नहीं। एआई से आगे रहने के लिए विकसित की जाने वाली मुख्य क्षमताएं मानवीय पूंजी है। एआई के पास भावनाएं नहीं हैं, लेकिन इंसानों के पास यह सबसे बड़ी ताकत है। नेतृत्व, टीम वर्क, ग्राहक सेवा, या लोगों के साथ जुड़ने की क्षमता—ये सब भावनात्मक समझ से ही संभव हैं। अपनी सहानुभूति, संवाद शैली और दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता को बढ़ाएं। भविष्य में जो व्यक्ति 'लोगों को समझना' जानता है, वही 'मशीनों को चलाना' भी बेहतर कर पाएगा।रचनात्मक सोच वह क्षेत्र है जहां एआई अभी भी पीछे है। एआई मौजूदा डेटा के आधार पर सुझाव देता है, लेकिन नई और मौलिक अवधारणा गढ़ने की क्षमता केवल मनुष्य के पास है। कलाकार, डिजाइनर, लेखक, उद्यमी और इनोवेटर—इन सभी को भविष्य में बड़ा स्थान मिलेगा।

रचनात्मक सोच का अभ्यास करें- पेंटिंग, कहानी लेखन, संगीत, डिजाइन थिंकिंग या किसी समस्या के नए समाधान निकालना। सिर्फ़ जानकारी याद कर लेना काफी नहीं है। ज़रूरी है सवाल करना, 'ये बात सच में सही है या नहीं? इसके पीछे कौन-सी धारणाएं छिपी हैं? इसका दूसरा पहलू क्या है?' मशीन आपको बहुत जवाब दे सकती है, लेकिन सही को चुनना और गहराई से समझना इंसान ही कर सकता है।

आपके सामने कोई अख़बार की ख़बर आती है कि 'यह दवा हर बीमारी का इलाज है।' मशीन उस खबर को हज़ारों तरीकों से कॉपी कर सकती है, लेकिन एक इंसान ही यह सवाल पूछ सकता है, 'क्या यह सच है? इसके पीछे किसका लाभ छिपा है? क्या इसके प्रमाण हैं?' जैसे किसी समझदार किसान की तरह, जो बीज बोने से पहले मिट्टी को परखता है। वह आंख बंद करके नहीं बोता। उसी तरह, सोचने वाला इंसान भी हर बात को परखता है। यही आदत आपको धोखे से बचाती है और सच्चाई तक ले जाती है जिम्मेदार और अनुशासन आदत है अपने वचन निभाने की। वह काम पूरा करना जो आपने तय किया, चाहे मन न हो, चाहे थकान हो। मशीन को मेहनत करने की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन इंसान जब मुश्किल होने पर भी टिकता है, तभी असली ताक़त पैदा होती है।

# रूरा-झींझक मार्ग चौड़ीकरण की मांग को लेकर होगी पदयात्रा

## ग्रामीणों ने दी 1 जनवरी से आमरण अनशन की चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।रूरा मार्ग के चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण की मांग को लेकर शुरू हुई शांतिपूर्ण पदयात्रा आंदोलन का समापन झींझक से सिठमरा में किया गया। आंदोलन का नेतृत्व समाजसेवी पंडित आकाश शर्मा, चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री और अजय शर्मा ने किया। इस दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि 40 दिनों के अंदर सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो वे 1 जनवरी से आमरण अनशन शुरू करेंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक सड़क का चौड़ीकरण और नवीनीकरण शुरू नहीं होता, यह संघर्ष जारी रहेगा।

नेताओं ने कहा कि रूराझझींझक मार्ग का चौड़ीकरण वर्ष 2016 में तात्कालीन सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया था,

लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। जबकि यह मार्ग तीन सांसदों/विधायकों के क्षेत्र से जुड़ा है। 2017 के बाद से अब तक इस मुद्दे पर किसी भी जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया है, जिससे जनता में रोष बढ़ता जा रहा है।

पदयात्रा के स्वागत कार्यक्रम में सिठमरा के लोगों ने बड़ी संख्या में सहयोग किया। स्वागत करने वालों में सुबोध शुक्ला, बब्बू तिवारी, चंद्र मोहन शर्मा, अशोक यादव, दिनेश पाल, कपिल शुक्ला, अमर सिंह यादव, मोहम्मद मुस्ताक, वरिष्ठ इब्राहीम, नसरुद्दीन, महेश दिवाकर, मौजीलाल, शमशाद, लालू कोटेदार, जितेंद्र सविता, रामगोपाल यादव, इंद्रेश सहित अनेक ग्रामीण शामिल रहे।

इस मौके पर शकूर, नहीम, रामगोविन्द शर्मा, गणेश, राकेश, कमल, रामस्वरूप कुरील, राजकुमार चौहान, राजू चौरसिया, दीपू शुक्ला भी मौजूद रहे।

# पुराने संगठन में वरिष्ठों को नहीं दिया जा रहा सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के रविकांत गर्ग गुट के प्रदेश वाइस चेयरमैन श्याम मोहन दुबे का व्यापारियों ने स्वागत किया। यहां उन्होंने श्याम बिहारी मिश्रा के निधन के बाद व्यापार मंडल में वरिष्ठों को सम्मान न मिलने पर चिंता व्यक्त की।

कानपुर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल रविकांत गर्ग गुट में प्रदेश वाइस चेयरमैन श्याम मोहन दुबे का शुक्रवार को व्यापारियों ने नयागंज नागेश्वर महादेव मंदिर के पास स्वागत किया। उन्होंने कहा कि श्याम बिहारी मिश्रा के निधन के बाद व्यापार मंडल की कार्यशैली बदल गई है। व्यापार मंडल में वरिष्ठ लोगों को सम्मान नहीं दिया जा रहा है।

भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए वह हमेशा तत्पर रहते हैं। इस मौके पर रोशन लाल अरोड़ा, अरविंद चतुर्वेदी, विजय गुप्ता, अमित दोसर, अलंकार ओमर, ईश्वर वर्मा, अशोक केसरवानी, शेष नारायण त्रिवेदी, किशोर सक्सेना, पवन दुबे, विशाल अग्रवाल, संजय राठौर, निखिल गुप्ता, राजू चौधरी, उमेश गुप्ता आदि रहे।

# प्रेमिका के 'मर जाओ' कहने पर 12वीं का छात्र फांसी पर झूला

**» परिवार का आरोप कन्नौज की युवती कर रही थी मानसिक प्रताड़ित, पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया**

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। यशोदानगर ओ ब्लॉक में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। प्रेमिका द्वारा अब मुझे तुम नहीं, तुम्हारा दोस्त क्रिश पसंद है, मरना है तो मर जाओ कहने के बाद 17 वर्षीय 12वीं के छात्र हृदय राय ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। देर रात जब उसकी मां कमरे में लाइट जलती देख पहुंचीं, तो बेटे को चादर से बने फंदे पर लटका पाकर चीख पड़ीं और बेहोश होकर गिर गईं।**

परिवार के अनुसार छात्र के मोबाइल में प्रेमिका के साथ अंतिम बातचीत की रिकॉर्डिंग मिली है, जिसमें लडक़ी स्पष्ट कह रही है मैं तुम्हें अब पसंद नहीं करती, तुम्हारे दोस्त क्रिश से बात करूंगी, तुम्हें मरना है तो मर जाओ। ऑडियो में हृदय कहता है कि तुमने पहले क्यों नहीं बताया, मैं मर जाऊंगा।

जवाब में लडक़ी फिर दोहराती है मर जाओ। पिता ने बताया कि इंस्टाग्राम चैटिंग में भी कई आपत्तिजनक बातचीत मिली है। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना के समय भी छात्र के फोन पर प्रेमिका की कॉल आ रही थी।

हृदय के पिता नीरज राय कानपुर देहात के माती में ढाबा चलाते हैं। परिवार में पत्नी मंजू और दो बेटियां हैं। हृदय एकलौता बेटा था और ढाबे में भी पिता का हाथ बंटाया करता था। बुधवार रात लगभग 11-30 बजे वह सोने गया था, लेकिन काफी देर तक कमरे की लाइट जलती देख मां ने दरवाजा खोला और बेटे को फांसी पर लटका देखा। पड़ोसियों की मदद से शव नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

### कन्नौज में हुई थी मुलाकात, आर्थिक शोषण का भी आरोप

पिता के मुताबिक लगभग एक साल पहले हृदय की मुलाकात लडक़ी से कन्नौज में एक समारोह के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत और मुलाकातें बढ़ गईं ।परिवार का आरोप है कि लडक़ी लगातार हृदय का आर्थिक शोषण करती थी और लगातार मानसिक दबाव डालती रहती थी। पिता ने कहा उसने एक झटके में कह दिया मर जाओ।

मेरा एकलौता सहारा चला गया। पुलिस से कार्रवाई की मांग की है ।घटना की सूचना मिलते ही नौबस्ता पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। मोबाइल रिकॉर्डिंग और चैट्स के आधार पर पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

परिवार ने लडक़ी पर प्रताडऩा का आरोप लगाकर शिकायत दर्ज कराई है।

# जीएसवीएम को 495 करोड़ की बड़ी सौगात बनेगा छह मंजिला सुपर ट्रामा इंस्टीट्यूट

**» दो हेलीपैड और 100 बेड का अत्याधुनिक आईसीयू होगा, शासन ने जारी की 168 करोड़ की पहली किश्त**

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

**कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को प्रदेश का सबसे उन्नत ट्रामा उपचार केंद्र मिलने जा रहा है। एलएलआर अस्पताल परिसर में 300 बेड क्षमता वाले एपेक्स ट्रामा इंस्टीट्यूट के निर्माण के लिए सरकार ने 168 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी कर दी है। कुल 495 करोड़ की लागत से बनने वाला यह छह मंजिला भवन वर्ष 2027 तक तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।**

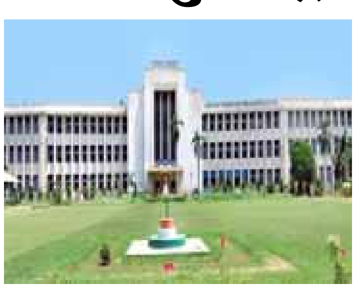

निर्माण कार्य के लिए पीडब्ल्यूडी को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। ट्रामा सेंटर में गंभीर मरीजों की एयर-लिफ्टिंग सुविधा हेतु दो हेलीपैड भी बनाए जाएंगे, जो इसे प्रदेश का पहला ऐसा ट्रामा सेंटर बनाएंगे जहां एयर एंबुलेंस सीधी लैंडिंग कर सकेगी। छह मंजिला इस भवन में 200 बेड का सामान्य वार्ड, 100 बेड का हाई-टेक IC,करीब 15 मॉडर्न ऑपरेशन थियेटर,स्किल लैब, पैथोलॉजी और एडवांस डायग्नोस्टिक यूनिट जांच के लिए दो सिटी स्कैन, एक M.R.I मशीन, दो डिजिटल एक्स-रे, इको, OPमशीन आदि की व्यवस्था भी की जाएगी ।जीएसवीएम एसएसपीजीआई के नोडल डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि ट्रामा सेंटर में एक 50 बेड का आपदा प्रबंधन वार्ड भी बनाया जाएगा। यह ट्रेन दुर्घटना, बस हादसा, औद्योगिक दुर्घटनाओं या किसी भी आपदा की स्थिति में घायलों के बड़े समूह को एक साथ प्राथमिक और आपात उपचार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

**नया ट्रामा इंस्टीट्यूट सिर्फ इलाज के लिए नहीं, बल्कि उन्नत चिकित्सा शिक्षा के लिए भी बनाया जा रहा है। यहां डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और टेक्नीशियनों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।**

**- प्रो. संजय काला, प्राचार्य जीएसवीएम**

# सड़क हादसे में बाइक सवार किशोरी समेत तीन घायल

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के बढ़ौली मोड के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक किशोरी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में शिवानी की हालत गंभीर देखते हुये उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गजनेर थाना क्षेत्र के हिलौठी गांव निवासी सुरेश ने बताया कि वह मूसानगर के सनायाखेड़ा गांव निवासी संजय की पत्नी विमला और सरमन की पुत्री शिवानी के साथ बाइक पर सवार होकर सलहज विमला को दवा दिलाने भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पिलखिनी गांव जा रहे थे। तभी रास्ते में बढ़ौली मोड के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने आनन फानन में उन्हें उपचार के लिए अमरौधा पीएचसी में भर्ती कराया। जहां शिवानी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

# रसूलाबाद विधानसभा कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक

**» 4 दिसंबर तक फार्म जमा कराने के निर्देश**

»प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

रसूलाबाद विधानसभा के ब्लॉक रसूलाबाद में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक विधानसभा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर राजपूत ने की ।बैठक में रसूलाबाद के प्रभारी व समाजवादी पार्टी कानपुर देहात के पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सेन यादव ने सभी बीएलए और सेक्टर प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बीएलओ द्वारा दिए गए फार्म को घर-घर जाकर भरवाया जाए और हर स्थिति में 4 दिसंबर तक फार्म जमा कर दिए जाएं ।उन्होंने कहा कि फार्म भरने का कार्य पूरी तरह संपन्न होने तक वे लगातार विधानसभा क्षेत्र में आकर समीक्षा करते रहेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने सेक्टर प्रभारियों के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ और जिम्मेदार नेताओं को प्रत्येक सेक्टर का एसएआर कार्यक्रम संभालने के लिए प्रभारी नियुक्त करने की योजना भी पेश की। बैठक में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार बबलू राजा, पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया, वरिष्ठ सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह यादव, नाथू सिंह यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष आरपी पाल, जोनल प्रभारी विपिन शुक्ला, वीरू कुशवाहा, नीता सचान (सचिव, महिला सभा), फैजान खान (उपाध्यक्ष), अरविंद यादव, अवधेश यादव, राजपूत ललित, डॉ. नरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, बड़े ठाकुर, रामशंकर प्रजापति, रोहित विश्वकर्मा, जितेंद्र यादव, शैलेंद्र कुमार सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे ।बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया गया और सभी प्रभारियों को सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

# पुलंदर गांव में सद्भावना लान का मंत्री ने किया शुभारंभ

## महिला प्रधान प्रीति देवी की पहल की सराहना, गरीब बेटियों की शादी में मिलेगा बड़ा सहारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात।मलासा विकासखंड के पुलंदर गांव में गरीब बेटियों की शादी और सामाजिक आयोजनों के लिए बनाए गए सद्भावना लान का भव्य शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने फीता काटकर इस अनूठी पहल की शुरुआत की और ग्राम प्रधान प्रीति देवी के प्रयास की सराहना की।**

महिला ग्राम प्रधान प्रीति देवी ने मुख्यमंत्री प्रोत्साहन राशि का सदुपयोग करते हुए इस सामुदायिक भवन का निर्माण कराया है। मलासा विकासखंड की 10 ग्राम पंचायतों में यह पहला सामुदायिक गेस्ट हाउस है, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों को कम लागत में सम्पन्न कराना है। प्रधान प्रतिनिधि बी. के. तिवारी ने बताया कि ग्राम पंचायत पुलंदर को वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। इसी के तहत मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई 35 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि से सद्भावना लान का निर्माण पूरा हुआ। इस परियोजना में ग्राम पंचायत सचिव छत्रपाल सिंह, पंचायत सहायक दीपांशी सिंह और पंचायत सदस्यों के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया गया।

### ग्राम प्रधान ने दान में दी अपनी जमीन

गांव में जीएस की जमीन उपलब्ध न होने के कारण ग्राम प्रधान प्रीति देवी ने अपनी निजी संपत्ति दान में देकर मानवता की मिसाल पेश की है। उनकी इस उदार पहल की कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, खंड विकास अधिकारी संजय कन्नौजिया सहित ग्रामीणों ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अमिता मिश्रा, पंचायत सचिव रिंकल सिंह, रवि अग्रवाल, नम्रत राव, प्रधान प्रतिनिधि वी. के. तिवारी, बलराम सिंह, पंकज सिंह, विकास सिंह, ठेकेदार गौरव, सोनू सिंह, जगदीश निषाद, बमरौली प्रधान टीटू पांडेय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# एसवीडी वर्ल्ड स्कूल की श्रेया ने मार्शल आर्ट में हासिल किया गोल्ड मेडल

## ग्वालियर में हुई अखिल भारतीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 1000 प्रतिभागी आए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात माती। भिखनापुर स्थित के.एसवीडी. वर्ल्ड स्कूल की कक्षा 11 की मेधावी छात्रा श्रेया सिंह ने अपनी अद्वितीय मार्शल कला कौशल के बलबूते राष्ट्रीय कराटे महाप्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर जनपद की गौरव-पताका को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। सीबीएसई बोर्ड द्वारा लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के संरक्षण में हुए इस राष्ट्रीय समारोह में श्रेया की विजय ने पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित कर दिया।**

18, 19 नवंबर को सिल्वर वेल्स हाई स्कूल, ग्वालियर में आयोजित इस प्रतिष्ठित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से लगभग 1000 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। आयु वर्ग 17 वर्ष एवं 52 किलोग्राम वजन वर्ग में श्रेया सिंह ने लगातार पाँच उग्र एवं निर्णायक बाउट्स में अपने प्रतिद्वंद्वियों को दक्षता, चपलता और संयम से परास्त करते हुए अपराजेय विजेता के रूप में अपनी छाप अंकित की। 20 नवंबर को स्पोर्ट्स अथॉरिटी सदस्य राजू सेंगर द्वारा श्रेया को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि के साथ ही उन्हें अब पुणे में आयोजित होने वाली बहु-बोर्ड सुपर प्रतियोगिता में देशभर के विजेता खिलाड़ियों के मध्य अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यालय के प्रबंधक धर्मपाल भदौरिया ने श्रेया के प्रति गर्व और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा स्वर्ण पदक अर्जित कर श्रेया ने न केवल अपने अभिभावकों एवं विद्यालय का, बल्कि समूचे जनपद का मान बढ़ाने का अद्वितीय कार्य किया है। उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

# बच्चे को जन्म देने के बाद महिला की मौत, मायके वालों ने जताई शंका

## शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गजनेर थाना क्षेत्र के चंद्रनगर जमरेही में एक प्रसूता की प्रसव के बाद मृत्यु हो जाने से क्षेत्र में शोक एवं संशय का वातावरण व्याप्त हो गया। नवजात को जन्म देने के तुरंत बाद उसका ब्लड प्रेशर असामान्य रूप से गिरने पर स्थिति गंभीर हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए पोस्टमार्टम की मांग की, जिस पर फॉरेंसिक टीम ने स्थल पर पहुँचकर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।चंद्रनगर निवासी ओमकार सिंह का विवाह लगभग आठ वर्ष पूर्व प्रीति के साथ हुआ था, और यह उनका पहला गर्भ था प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीति के गर्भ में जुड़वाँ शिशु पल रहे थे। गुरुवार की संध्या अचानक प्रसव पीड़ा बढ़ने पर परिजन उसे अकबरपुर स्थित अनंत राज हॉस्पिटल ले गए, जहाँ उसने एक शिशु को जन्म दिया। दूसरे शिशु के जन्म से पूर्व ही प्रीति की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई रक्तचाप असामान्य रूप से न्यूनतम स्तर पर पहुँच गया, जिसके कारण चिकित्सकों ने उसे तत्काल कानपुर रेफर कर दिया। परिजन रातभर उसे लेकर कानपुर के अनेक निजी अस्पतालों में भटकते रहे, किंतु प्रसूता की नाजुक दशा को देखते हुए किसी भी चिकित्सालय ने उसे भर्ती नहीं किया। अंततः सुबह लगभग पाँच बजे उसे हैलट अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका के मायके गजनिया थाना भरथना, जिला इटावा से उसकी माँ मालती देवी सहित अन्य परिजन घटना की सूचना मिलते ही तत्काल पहुँच गए। माता ने प्रीति की मृत्यु को संदेहास्पद बताते हुए इसकी जानकारी गजनेर पुलिस को दी, जिसके बाद फॉरेंसिक टीम ने स्थल से महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। थानाध्यक्ष जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# एक्शन में एसपी, देवीपुर चौकी और मलासा स्टेशन का लिया जायजा

» एंटी-रोमियो स्क्वायड और डायल-112 की टीम को सक्रिय पाया

» भीड़भाड़ वाली जगह पर पेट्रोलिंग बढ़ाने को प्राथमिकता देने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

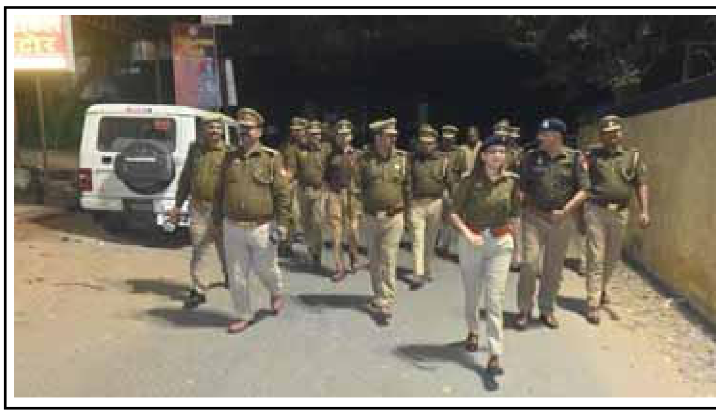

कानपुर देहात। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय शनिवार को एक्शन मोड में नजर आईं।

उन्होंने थाना भोगनीपुर क्षेत्र में औचक निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों की सतर्कता परखी और पैदल गश्त कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। एसपी ने सबसे पहले चौकी देवीपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने परिसर का जायजा लिया। उन्होंने रजिस्टर, ड्यूटी चार्ट और बीट सूचना प्रणाली की गहनता से जांच की। एसपी ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को चौकी क्षेत्र में नियमित गश्त करने और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश दिए।

चौकी के बाद एसपी ने मलासा रेलवे स्टेशन का रुख किया। यहां उन्होंने प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम), टिकट घर और स्टेशन के आसपास के संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था जांची स्टेशन पर आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस वस्तुओं की सघन चेकिंग की जाए। इसमें कोई कतई लापरवाही न बरती जाए।

पैदल गश्त के दौरान उन्होंने रास्तों में मिले आम नागरिकों से सीधे संवाद किया और सुरक्षा व्यवस्था का फीडबैक लिया। गश्त के दौरान संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी भी ली गई। एसपी ने मातहतों को निर्देशित किया कि रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। घटना छोटी हो या बड़ी तुरंत संज्ञान लिया जाए। कतई लापरवाही न बरते। इसका विशेष ध्यान दें।

# मुफ्त बीज मिलते ही किसानों के खिले चेहरे

» जिला उद्यान विभाग ने किसानों को वितरित किया मुफ्त लहसुन का बीज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बीज वितरित करते बलदेव प्रसाद जिला उद्यान अधिकारी

कानपुर देहात। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को सफल और समृद्ध बनाने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में जिला उद्यान विभाग भी किसानों को प्रेरित करने तथा आधुनिक बागवानी तकनीकों से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिला उद्यान अधिकारी बलदेव प्रसाद ने बताया कि फल, फूल, मसाला तथा सागभाजी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान में एनएचआरडीएफ संस्था के माध्यम से किसानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला लहसुन बीज उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने बताया कि जिले के किसानों को उनकी जोत के अनुसार यह बीज वितरित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसान लहसुन की उन्नत खेती अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकें। उन्होंने किसानों से विशेष अपील की कि लहसुन की रोपाई करते समय पौधों के बीच उचित दूरी अवश्य रखें। सही दूरी और वैज्ञानिक विधि से रोपण करने पर उत्पादन न केवल बेहतर होता है, बल्कि फसल में लगने वाली संभावित बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

विभाग समय-समय पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा, ताकि वे अपनी फसल को सुरक्षित रखते हुए अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में प्याज एवं विभिन्न सब्जियों के बीज भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएँ और उन्नत बागवानी की दिशा में कदम बढ़ाएँ। शासन की मंशा है कि हर किसान समृद्ध हो, और इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए उद्यान विभाग निरंतर कार्य कर रहा है।

# 108 एम्बुलेंस सेवा का औचक निरीक्षण कर दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर में 108 एम्बुलेंस सेवाओं के डॉ. निशांत पाठक ने जिला अस्पताल में खड़ी 108 एम्बुलेंस सेवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एम्बुलेंस के अंदर उपलब्ध मेडिकल उपकरणों, दवाओं, साफ-सफाई, स्टाफ की उपस्थिति तथा सेवा संचालन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान सभी चीजें संतोषजनक और मानकों के अनुरूप पाई गई। एम्बुलेंस स्टाफ द्वारा सेवाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं मिली। डॉ. पाठक ने एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी तथा पायलट से उनके कार्य की सराहना की और कहा कि 108 एम्बुलेंस जीवनरक्षक सेवा है, इसलिए इसी तरह समय पर उपलब्धता और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखना बेहद आवश्यक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न करे।

# प्रेमी ने लाकर दिया जहर, प्रेमिका ने खाया, मरने से पहले महिला बोली- पति की जान लेने के लिए आया था विष

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अमरोहा। महिला की मौत के बाद उसके पति ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी 30 वर्षीय पत्नी और गांव के ही शादीशुदा युवक के साथ प्रेम संबंध थे, जिसके चलते युवक लगातार महिला पर शादी का दबाव बना रहा था।**

अमरोहा के सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव में प्रेम संबंध का अंत महिला ने अपनी जान देकर कर दिया। महिला ने मरने से पहले वीडियो में कहा कि प्रेमी उसे ब्लैकमेल करता था, धमकता था, पति को जान से मारने की बात करता था और शादी करने की बात करता था। पति को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी ने उसे जहर लाकर दिया था। जिससे परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला की मौत के बाद उसके पति ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी 30 वर्षीय पत्नी और गांव के ही शादीशुदा युवक के साथ प्रेम संबंध थे, जिसके चलते युवक लगातार महिला पर शादी का दबाव बना रहा था और उसे ब्लैकमेल कर धमकियां दे रहा था।

बताया कि आरोपी ने उसकी पत्नी को जहरीला पदार्थ लाकर दिया था। आरोप है कि दबाव और धमकियों से तंग आकर पत्नी ने 18 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

परिजनों को जानकारी होने पर उसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया,

जहां दो दिन तक चले उपचार के बाद बृहस्पतिवार की शाम करीब 7:30 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना अध्यक्ष विकास सहरावत का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

# अब गांवों में जमीन के नक्शे देखे जा सकेंगे ऑनलाइन

## » एप पर मैप लगाकर पहुंच सकेंगे घर और खेत

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गांवों की जमीनों के नक्शे ऑनलाइन किए जाएंगे। यह काम सेटेलाइट के जरिये होगा। इसलिए मैप लगाकर किसी भी घर या खेत तक पहुंचा जा सकेगा, बशर्ते उसका नंबर पता हो। ऑनलाइन नक्शे में हर गाटा संख्या और घर को टैग किया जाएगा।

राजस्व परिषद ने इस योजना पर काम प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश में कुल 57694 ग्राम पंचायतें हैं। वहीं, राजस्व गांवों की संख्या एक लाख से ज्यादा है। इन गांवों के नक्शे अभी लेखपालों के पास रहते हैं। अब सेटेलाइट के जरिये एक-एक खेत और घर का नक्शा तैयार करने का काम होगा। शुरुआती ट्रायल में 15-30 सेंटीमीटर तक की शुद्धता (एक्युरेसी) देखी गई है।

अक्सर ही दो गांवों की बाउंड्री को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है। सेटेलाइट इमेज के जरिये नक्शे ऑनलाइन होने के बाद इन विवादों की गुंजाइश ही नहीं रह जाएगी।

हर घर और खेत (गाटा संख्या) का रकबा भी इस मैप पर प्रदर्शित होगा। कर्नाटक में आंशिक तौर पर इस सुविधा का इस्तेमाल किया जा रहा है। देश में बड़े पैमाने पर इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाला यूपी पहला राज्य होगा। राजस्व परिषद के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, आम लोगों के लिए एक एप भी विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से वे इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस बारे में बात किए जाने पर राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि अगले तीन-चार माह में हम इस ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर लेंगे।

# मोदी की मास्टरस्ट्रोक रणनीति से चारो खाने चित बिहार !

**पढ़िए स्वराज इंडिया की खास समीक्षा**

## » गमछे से लेकर जनभावना तक, कैसे बनी एनडीए की ऐतिहासिक जीत की जमीन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**पटना।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 सिर्फ सीटों की जंग नहीं थे, बल्कि यह इस बात का मुकाबला भी था कि कौन-सा नेतृत्व जनता की नब्ज को गहराई से पकड़ता है। इस बार मैदान में उतरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न सिर्फ रैलियों की संख्या से, बल्कि अपनी शैली, प्रतीकों के इस्तेमाल और स्थानीय भावनाओं को छूने वाली रणनीति से चुनाव को पूरी तरह अपने पक्ष में मोड़ दिया। नतीजा-एनडीए को मिली बंपर जीत, जिसने बिहार की सियासत को नया संतुलन दे दिया।**

बिहार में एनडीए की बंपर जीत का आधार सिर्फ संगठन की ताकत नहीं था, बल्कि नरेंद्र मोदी की वह राजनीतिक शैली थी जो भावनाओं, प्रतीकों और नेतृत्व के भरोसे पर खड़ी है।

गमछा लहराने जैसे छोटे दृश्य भी बड़े राजनीतिक संदेश बन गए—अपनापन, जुड़ाव और स्थानीय सम्मान। मोदी की यह रणनीति बताती है कि आधुनिक राजनीति में तकनीक और भाषण जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही अहम है सांस्कृतिक समझ और जनभावना को पढ़ने की क्षमता।बिहार में मोदी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि राजनीति केवल नीतियों का खेल नहीं, बल्कि प्रतीकों और जनता के दिल तक पहुंचने की कला भी है।

गमछा बना पहचान और संदेश,जनता से सीधा

जुड़ाव

प्रधानमंत्री की चुनावी शैली में सबसे चर्चित रहा उनका 'गमछा संवाद'। मुजफ्फरपुर से लेकर बेगूसराय और पटना तक हर बड़े कार्यक्रम में मोदी ने गमछा लहराकर जनता को संबोधित किया। यह सिर्फ अभिवादन नहीं था, बल्कि एक संदेश सत्ता में होने के बावजूद मैं आपके बीच का हूं। 14 नवंबर को दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में मिली ऐतिहासिक जीत के जश्न के दौरान कार से उतरते ही मोदी का जोरदार गमछा लहराना इस चुनावी माहौल की निर्णायक तस्वीर बन गया। यह क्षण सोशल मीडिया पर छा गया और बिहार की जनता ने इसे अपने सम्मान से जोड़ा।

बिहार चुनाव में पीएम मोदी का फोकस सिर्फ भाषणों पर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव पर रहा।

**मधुबनी प्रिंट वाला बिहार का लोक गमछा,**

क्षेत्रीय बोली का सहज इस्तेमाल,

किसानों और श्रमिकों की पहचान से जुड़े प्रतीकों पर जोर—

इन सभी ने यह संदेश दिया कि प्रधानमंत्री न केवल राष्ट्रीय नेता हैं, बल्कि स्थानीय भावनाओं को समझने और सम्मान देने वाले नेता भी हैं। मोदी के इस अंदाज़ ने उन वोटरों को भी प्रभावित किया जो परंपरागत रूप से किसी पार्टी विशेष के साथ नहीं थे।एनडीए की जीत में मोदी की व्यक्तिगत विश्वसनीयता सबसे निर्णायक कारक साबित हुई। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बार-बार विकास, रोजगार और स्थिर शासन का मॉडल सामने रखा।'डबल इंजन सरकार' को बिहार के संदर्भ में जिस मजबूती से उन्होंने पेश किया, वह मतदाताओं की उम्मीदों से मेल खाती दिखी।

इसके साथ ही नीतीश कुमार को दोबारा मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने का बीजेपी का निर्णय भी मोदी की रणनीति का बड़ा हिस्सा था—स्थिरता का संदेश और गठबंधन की मजबूती। पटना में 20 नवंबर को हुए शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का गमछा लहराना इसी स्थिरता के उत्सव का दृश्य था।

**सोशल मीडिया और दृश्य-राजनीति पर पकड़**

इस चुनाव में एक और दिलचस्प पहलू रहा—मोदी की 'विजुअल पॉलिटिक्स'।गमछा लहराते हुए वीडियो क्लिप्स, भीड़ का उत्साह, मंच से भावनात्मक संवाद—यह सब सोशल मीडिया पर लाखों लोगों तक पहुंचा।राजनीति के इस दौर में दृश्य शब्दों से ज्यादा असर करते हैं, और मोदी इसमें महारथी साबित हुए।

**ग्राउंड मैनेजमेंट का कमाल**

मोदी की रैलियों की संख्या भले ही सीमित रही हो, लेकिन हर रैली रणनीतिक रूप से चुनिंदा सीटों पर केंद्रित थी।

बेगूसराय के आंता-समरिया पुल उद्घाटन से लेकर मुजफ्फरपुर और पटना के mega-events तक, भाजपा की चुनावी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि मोदी की मौजूदगी का अधिकतम राजनीतिक लाभ मिले।

गांव-गांव में पार्टी कैडर ने संदेश फैलाया—जब मोदी का गमछा उठता है, बिहार की उम्मीदें जगती हैं।

# एसडीएम की सरकारी गाड़ी ओवरब्रिज पर डिवाइडर से भिड़ी, पांच घायल

## » मिल्कीपुर एसडीएम के सिर में 12 टांके, नायब तहसीलदार का हाथ टूटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा उस समय हो गया, जब मिल्कीपुर एसडीएम सुधीर कुमार की सरकारी गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी। गाड़ी में उस वक्त नायब तहसीलदार रंजन वर्मा, चालक शिव नारायण यादव और दो गनर सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी पांचों लोग घायल हो गए।**

एसडीएम सुधीर कुमार को सिर में गंभीर चोटें आईं और लगभग 12 टांके लगाने पड़े। नायब तहसीलदार रंजन वर्मा का हाथ टूट गया, जिनका उपचार प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। ड्राइवर शिव नारायण यादव के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। दोनों गनरों को हल्की चोटें आई हैं। एसडीएम ड्राइवर और गनरों का इलाज अयोध्या जिला अस्पताल में जारी है। सीएमएस डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि सभी की स्थिति फिलहाल स्थिर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सरकारी गाड़ी तेज रफ्तार में ओवरब्रिज पर चढ़ रही थी। अचानक मोड़ आने से चालक संतुलन खो बैठा और वाहन डिवाइडर से टकरा गया। यह मार्ग अक्सर व्यस्त रहता है और दुर्घटनाओं के लिए बदनाम माना जाता है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाया। कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पेट्रोलिंग टीम की मदद से सुचारू किया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में तेज़ रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोना प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

# अयोध्या में सुरक्षा की अभेद्य दीवार, 25 को आएंगे मोदी

## ध्वजारोहण समारोह

» प्रधानमंत्री के आने से पहले कॉलोनियों में व्यापक सत्यापन अभियान

» एसपीजी की सुरक्षा व्यवस्था और विशेष दस्ता तैनात किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या आगमन एवं ध्वजारोहण समारोह के पूर्व संपूर्ण नगरी में सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली कैंट क्षेत्र की कॉलोनियों जालपा कॉलोनी, सदर बाजार, सेना क्षेत्र से सटे मोहल्लों तथा अन्य आवासीय उपनिवेशों में शुक्रवार को पुलिस बल द्वारा सघन सत्यापन किया गया। पुलिस टीमों ने घर-घर जाकर किरायेदारों, बाहरी आगंतुकों, अस्थायी श्रमिकों तथा छात्रों से पहचान संबंधी समस्त विवरण स्थायी निवास, मोबाइल संख्या, आने जाने की अवधि व उद्देश्य विधिवत अंकित कराए। कई आवासों में वर्षों से खड़े संदिग्ध वाहनों का भी परीक्षण किया गया। जिन वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं थे अथवा जो बिना संचलन के लंबे समय से खड़े थे, उन्हें नोटिस दिया गया।**

कैंट प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसी उद्देश्य से यह अभियान निरंतर चल रहा है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घरों में आने वाले नवीन व्यक्तियों की सूचना अनिवार्यतः पुलिस को दें तथा बिना पहचान, पुष्टि किसी को किराए पर न निवास दें। इस बीच एसपीजी की टीम अयोध्या पहुँचकर ध्वजारोहण कार्यक्रम स्थल तथा प्रधानमंत्री का रूट देख चुकी है। टीम ने सुरक्षा की प्रत्येक परत का सूक्ष्म परीक्षण किया।

ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति सुनिश्चित है। छह हजार से अधिक विशिष्ट अतिथियों के आमंत्रण के कारण सुरक्षा का दायरा और विस्तृत किया गया है। उद्योगपति मुकेश अंबानी को भी विशेष आमंत्रण दिया गया है। रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में 250 प्रशिक्षित तथा व्यवहार कुशल सिपाहियों का विशेष दस्ता लगाया गया है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने जवानों को वीवीआईपी मार्ग, एंट्री-एग्जिट व्यवस्थाओं और लोकव्यवहार संबंधी सभी प्रणालियों का प्रशिक्षण दिया। भीड़ नियंत्रण तथा आकस्मिक स्थितियों से निपटने के विशेष निर्देश दिए गए है।

### अस्थायी मीडिया सेंटर बनाया जाएगा

**कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री के 25 नवंबर के कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। डीएम ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और त्रुटिरहित रूप से संपन्न करें। अतिथियों के निर्धारित मार्गों, सांस्कृतिक मंचों और व्यवस्थाओं की पूर्णता समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मीडिया के लिए नगर निगम की हनुमान गुफा पार्किंग पर अस्थायी मीडिया सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जबकि मीडिया वाहनों के लिए स्फटिक शिला पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने यातायात, मार्ग परिवर्तन एवं सुरक्षा की संपूर्ण रूपरेखा अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर आवश्यक आदेश दिए। बैठक में अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराग जैन, सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह और मंदिर मजिस्ट्रेट भी उपस्थित रहे।**

# अयोध्या जिला अस्पताल में प्राइवेट मेडिकोलीगल पर प्रतिबंध

## फर्जीवाड़े की फैक्ट्री बंद होते ही दलालों में हड़कंप, फार्मासिस्टों की कमाई रुकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। जिला अस्पताल में चल रहे प्राइवेट मेडिकोलीगल के लंबे समय से विवादित धंधे पर आखिरकार प्रशासन ने ब्रेक लगा दिया। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश सिंह ने निर्देश जारी करते हुए प्राइवेट मेडिकोलीगल को पूरी तरह बंद कर दिया है। अब रिपोर्ट सिर्फ पुलिस केस में बनेगी, वह भी तभी जब पुलिसकर्मी या होमगार्ड साथ होगा।**

पिछले कुछ महीनों से लगातार मिल रही शिकायतों ने प्रशासन को चौंका दिया था। फर्जी कागजात के आधार पर रिपोर्ट बनवाने की कोशिश चोट की गंभीरता बदलवाने के लिए दबाव बीमा क्लेम के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाना कुछ मेडिकल प्रतिनिधियों व फार्मासिस्टों के माध्यम से मरीजों की 'सेटिंग'

यह सब मिलकर जिला अस्पताल को एक अनौपचारिक रिपोर्ट बाज़ार में बदल रहा था। डॉ. राजेश सिंह के अनुसार यह फैसला जरूरी था ताकि चिकित्सकों पर दबाव खत्म हो। फर्जी मामलों पर अंकुश लगे जांच प्रक्रिया पारदर्शी बने फिलहाल जिला अस्पताल में केवल सरकारी और पुलिस केस में ही मेडिकोलीगल सुविधा उपलब्ध रहेगी। अयोध्या जिला अस्पताल में यह सिर्फ एक आदेश नहीं बल्कि एक पूरी चोरी-छुपे चल रही व्यवस्था पर ताला है।

### अब सिर्फ तीन थानों के केस

**प्रशासन ने तय किया है कि अब सिर्फ नगर कोतवाली, थाना कैंट और जीआरपी थाने से आए मामलों में ही मेडिकोलीगल जांच होगी। निजी तौर पर आने वाले लोग चाहे चोट वास्तविक हो या नहीं बिना पुलिस के अंदर प्रवेश नहीं पाएंगे। यह आदेश जैसे ही जारी हुआ, अस्पताल परिसर में सक्रिय फार्मासिस्ट व मेडिकल प्रतिनिधियों में हलचल मच गई। एक फार्मासिस्ट के अनुसार पहले रोज़ाना 8-10 प्राइवेट केस आते थ। पूरा सिस्टम चल रहा था। अब सब बंद हो गया।**

**कुछ लोगों ने इसे आम जनता के लिए असुविधाजनक बताया क्योंकि छोटी चोट के बाद पुलिस थाने के चक्कर अलग से लगाने पड़ेंगे। लेकिन दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने प्रशासन के कदम को अच्छा बताया।**

# सीएम योगी ने माघ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

## प्रयागराज पहुंचकर मां गंगा की पूजा, बड़े हनुमान के चरणों में झुकाया शीश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर रहे। यहां उन्होंने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी के आवास पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में पहुंचे। यहां उन्होंने संकट मोचन हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की। फिर संगम नोज पहुंचकर 'त्रिवेणी पूजन' किया और मां गंगा की आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर उनके चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने माघ मेले की तैयारियों का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले रामबाग स्थित शहर उत्तरी के भाजपा विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी के आवास पहुंचे। यहां आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रीविजय प्रद हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की। सीएम ने यहां पूजन-अर्चन, आरती भी उतारी। आयोजक और विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिह्न भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां से संगम गए। यहां वे वीआईपी घाट से बोट में बैठकर संगम नोज पहुंचे। उन्होंने बोट से ही यमुना नदी में कलरव कर रहे पक्षियों को दाना भी खिलाया। मुख्यमंत्री ने संगम नोज पर पहुंचकर त्रिवेणी संगम पर पूजन-अर्चन किया, फिर मां गंगा की आरती उतारी। उन्होंने मां गंगा के चरणों में शीश झुकाकर माघ मेले की सफलता की कामना की। सीएम बोट में ही बैठकर वापस आए, फिर हनुमान कॉरिडोर की तरफ रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने आमजन का अभिवादन भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमान कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया। सीएम यहां बड़े हनुमान मंदिर भी गए। वहां हनुमान जी के चरणों के समक्ष बैठकर दर्शन-पूजन कर आरती उतारी और विधि-विधान से पूजा की। धार्मिक कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंदगोपाल गुप्त 'नंदी', सांसद प्रवीण पटेल, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, सुरेंद्र चौधरी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, दीपक पटेल, पूजा पाल, पीयूष निषाद, गुरु प्रसाद मौर्य, राजमणि कोल आदि मौजूद रहे।

# हाइटेंशन से हुई मौत के 10 साल बाद भी मुआवजा नहीं!

## अधिशासी अभियंता कार्यालय कुर्क कर किया सील

### » नाफरमानी पर कोर्ट ने विभाग का दफ्तर सील का दिया आदेश

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से शख्स की मौत और कोर्ट की नाफरमानी पर अधिशासी अभियंता कार्यालय कुर्क कर सील कर दिया गया है। 10 साल पहले हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से शख्स कैलाश की मौत हुई थी। मामले में शिकायत पर अदालताल ने विद्युत विभाग को दोषी ठहराते हुए करीब 6 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया था। विद्युत विभाग ने कोर्ट के आदेश को दरकिनार कर मुआवजा नहीं दिया। शुक्रवार 20 नंबर सीनियर डिवीजन कोर्ट ने अधिशासी अभियंता कार्यालय विद्युत वितरण खंड द्वितीय रामनगर पर कुर्की-जब्तीकरण की कार्रवाई की है।**

अधिवक्ता गोविंद वाजपेई के मुताबिक, मसौली थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी कैलाश यादव 20 मई 2016 में घर के पास हाइटेंशन लाइन का तार टूट कर उनके ऊपर गिर गया था। हादसे में बुरी तरह झुलसे कैलाश यादव की मौत हो गई थी। वकील ने बताया कि मृतक की पत्नी शिव देवी ने विद्युत विभाग की लापरवाही पर मुकदमा दर्ज करवाया था। जिसकी पैरवी के लिए उनके बेटे अशोक यादव द्वारा की जा रही थी।

मुकदमें में पैरवी कर रहे वकील राजकुमार यादव के मुताबिक अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के बयान बहस के बाद पीड़ित परिवार को 6 लाख 63 हजार रुपये मुआवजे के रूप में बिजली विभाग को देने का आदेश दिया था।

इसके बावजूद 10 साल बाद भी इसका अनुपालन नहीं किया गया। वकील राजकुमार यादव ने बताया कि मामले में 20 नंबर सीनियर डिवीजन कोर्ट ने सुनवाई करते हुए बिजली विभाग को ब्याज सहित 9 लाख 41 हजार रुपए मुआवजे की धनराशि पीड़ित को दिए जाने का आदेश दिया। साथ अदालत के आदेश की अवहेलना पर अधिशासी अभियंता कार्यालय को सील करने के आदेश दिया।

अदालत के आदेश पर रामनगर प्रशासन की टीम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे पुलिस बल के साथ अधिशाषी अभियंता कार्यालय पर कोर्ट का ताला लगा कर कुर्की का आदेश चस्पा कर दिया। मृतक के पुत्र अशोक कुमार ने बताया कि मेरे पिता की मृत्यु को 10 साल बीत गए। जिसके न्याय के लिए हमें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अदालत के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की जा रही है।

# दंगल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, कौशल और संघर्ष का प्रतीक: अखिलेश

## मुलायम सिंह यादव के 86वें जन्मदिवस पर भव्य अंतरराष्ट्रीय दंगल का आयोजन

सरोजनी नगर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**समाजवादी आंदोलन के पुरोधा स्व. मुलायम सिंह यादव के 86वें जन्मदिवस पर बंथरा के गुलाबखेड़ा में भव्य अंतरराष्ट्रीय दंगल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव के पुत्र और युवा नेता कुमार दुर्गेश सिंह 'सोनू भैया' ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपस्थित रहे।**

हजारों दर्शकों और कार्यकर्ताओं के बीच अखिलेश यादव ने दंगल को उत्तर भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर बताते हुए कहा कि यह उनके परिवार की विरासत है और नेताजी का इससे गहरा नाता रहा। उन्होंने पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव और उनके परिवार की सराहना की और स्व. हीरालाल यादव तथा स्व. मुलायम सिंह यादव के मध्य पुराने संबंधों का स्मरण किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि दंगल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, कौशल और संघर्ष का प्रतीक है और राजनीतिक संघर्ष में भी यही भावना अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने बीजेपी की एसआईआर लागू कर वोटर लिस्ट दोबारा बनाने की नीति पर आलोचना की और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मतदाता जोड़ने के अभियान में सक्रिय रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, युवा नेता कुमार दुर्गेश सिंह 'सोनू', पूर्व सांसद प्रत्याशी अरुण शंकर शुक्ला, पूर्व विधायक उदय राज यादव, पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दंगल में लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, मेरठ, कानपुर, प्रयागराज, गाज़ीपुर, हरियाणा, ग्वालियर सहित कई राज्यों और ईरान के करीब 100 पहलवान शामिल हुए। 3 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की कुश्तियाँ हुईं। मेरठ के साकिर नूर ने 1.5 लाख रुपये की कुश्ती में रोहतक के सुमित को हराया, जबकि मुख्य आकर्षण रही 5 लाख रुपये की कुश्ती में रोहतक के नीतीश ने ईरान के इरफान को पराजित कर खिताब जीता।